ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " **Indus Valley Civilization** "
Date of the Event	19.05.2023
Venue of the Event	College Conference Hall
Organized By	Department Of Ancient History
No of Participant	37
Resource Persons	Not Applicable
Transcript of M.O.M. in English	**Department of AIH & Culture** Today on dated 19.05.2023 on the recommendation IQA Cell a workshop is organised by the Department of AIH & Culture in conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya Triveniganj (Supaul) under the chairmanship of Prof. Surendra Prasad Yadav, H.O.D. AIH & Culture. Topic :- "Indus Valley Civilization"

सूचना

संशोधित सुचना

प्राचीन भारत इतिहास एवम संस्कृति **विभाग** स्नातक पार्ट–**I, (Hons)** के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक–01/05/2023 रोज–**सोमवार** दिन के 11:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें आप सभी छात्र–छात्राओं का उपस्थिति अनिवार्य हैं सभी छात्र/छात्रा अपना–अपना आधार कार्ड एवं पैन कार्ड का फोटो कॉपी साथ अवश्य लावेगें।

Copy to
Principal, A.L.Y. College, Triveniganj
IQAC – COORDINATOR

विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय
इतिहास एवम संस्कृति विभाग
सुरेन्द्र नारायण यादव
अनूपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज सुपौल

NOTICE OF THE EVENT

ESTD. 1979 ... YALAYA Triveniganj, Supaul (Bihar)

बैठक संख्या – 21

Page No. 53
Date

आज दिनांक 19.05.2023 रोज शुक्रवार को अनूपलाल यादव म० वि० त्रिवेणीगंज, सुपौल बिहार के तत्वावधान में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० सुरेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई। सभागार में आयोजित कार्यशाला में शिक्षकों एवं छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आधार करते हुए समन्वय स्थापित करना है। इस कार्यशाला में निम्नलिखित प्राध्यापकगण एवं छात्र / छात्राएं उपस्थित हुए।

Topic :- "Indus velly civilization"

19.05.023   Yadav 19/5/23

प्रधानाचार्य
अनूपलाल यादव
म० वि० त्रिवेणीगंज
PRINCIPAL
ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA
Triveniganj, Supaul (Bihar)
सुपौल

I.Q.A.C. co-ordinator

अध्यक्ष
प्राचीन भारतीय इतिहास
एवं संस्कृति विभाग
अनूपलाल यादव म०
वि० त्रिवेणीगंज सुपौल

उपस्थिति :-

1. Gauranga Prasad Sah
2. Kulanand Yadav – Kuyadav
3. Binod Kumar Bind
4. Satyanarayan Yadav – Music
5. Shambhu Yadav — Geog
6. Vidyanand Yadav — SNK. NSS-P.O.
7. Bijendra Yadav — Bot
8. S.N. Yadav — Bot
9. Ramendra Yadav — Bot
10. Madan Mohan Yadav — Zoo
11. Arun Kumar — ECO

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 54

Date

	छात्र - छात्राएँ :—	रोल —
1	Md. Sadab Alam	992
2	Ashish Kumar	668
3	Poonam Kumari	1001
4	Abhilash Kumar —	670
5	Poonam Kumari —	355
6	Sneha Shalu —	600
7	Nitu Kala Kumari —	646
8	Riya Kumari	599
9	Parvati Kumari —	223
10	Kajal Kumari —	527
11	Bittu Kumar Paswan	# 602
12	Mahendra Kumar	# 514
13	नीरज कुमार	60
14	Krishna Kumar —	846
15	Vikash Kumar —	486
16	Dipesh Kumar —	
17	Anand Kumar —	472
18	Aman Kumar	
19	md Safil —	49
20	Sanjay Kr Ram —	473
21	chandan Kumar —	064
22	Koshila Kumari	
23	Kundan Kumari —	720
24	Aarti Kumari —	1009

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

PHOTOGRAPHS OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 • Tel./Fax: 06477-220940 • Website- www.alycollege.com • E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....

Date ....

सुपौल जागरण 2 दैनिक जागरण भागलपुर, 20 मई 2023

भविष्य की तैयारी के लिए आवश्यक है इतिहास का अध्ययन

- अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में कार्यशाला का किया गया आयोजन
- प्रो. अशोक कुमार ने प्राचीन भारतीय इतिहास के महत्व को बताया

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. गंगा प्रसाद साह।

संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल) : प्रखंड मुख्यालय स्थित अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन संबंधित विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था।

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है। दूसरे शब्दों में इतिहास समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन है। जिसमें मानव समाज के सभी पहलुओं सामाजिक, आर्थिक, विज्ञानी, तकनीकी, चिकित्सा, सांस्कृतिक, बौद्धिक और धार्मिक आदि शामिल हैं। समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि, कताई- बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई। लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कैसे हुई। धर्म और धार्मिक व्यवहार अस्तित्व में कैसे आया। भाषा और साहित्य का विकास कैसे होता गया। सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आई। इतिहास मानव जाति के निरंतर विकास की कहानी है।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के प्राध्यापक प्रो. गंगा प्रसाद साह और प्रो. कुलानंद यादव ने कहा कि आमतौर पर मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर पांचवीं शताब्दी तक का समय प्राचीन इतिहास का माना गया है। चूंकि इतिहास पिछली घटनाओं का अध्ययन है। जिससे प्राचीन काल को समझा जा सकता है। मानव ने सबसे पहले अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण शुरू किया, जिस कारण से इतिहास की समझ विकसित हुई। यह मौखिक, पुरातात्विक साक्ष्य, लिखित रिकार्ड, कलाकृतियां यहां तक कि जैविक अवशेषों सहित अतीत के कहानियों पर आधारित है। वर्तमान को समझने और भविष्य की तैयारी के लिए इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। यह हमें पिछली गलतियां और सफलताओं से सीखने का अनुभव देता है। जिससे हमें बेहतर दुनिया बनाने में मदद मिलती है। हेरोडोटस (तुर्की) को इतिहास का जनक कहा जाता है। इतिहास का अध्ययन कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला को महाविद्यालय के उप प्राचार्य सह आइक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने संबोधित कर प्राचीन भारतीय इतिहास विषय के महत्व को बताया और छात्र छात्राओं को महाविद्यालय की विधि-व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराते हुए नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला को डा. विद्यानंद यादव, प्रो. विनोद कुमार विमल ने संबोधित कर छात्र- छात्राओं को नियमित आने के लिए प्रेरित किया।

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Principal
Anoop Lal Yadav Mahav...
Triveniganj, Supaul ...

Principal
noop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

COMMUNITY COLLEGE

Principal

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 • Tel./Fax: 06477-220940 • Website- www.alycollege.com • E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....

Date ....

भविष्य की तैयारी के लिए आवश्यक है इतिहास का अध्ययन

- अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में कार्यशाला का किया गया आयोजन
- प्रो. अशोक कुमार ने प्राचीन भारतीय इतिहास के महत्व को बताया

संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल) : प्रखंड मुख्यालय स्थित अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन संबंधित विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. गंगा प्रसाद साह।

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है। दूसरे शब्दों में इतिहास समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन है। जिसमें मानव समाज के सभी पहलुओं सामाजिक, आर्थिक, विज्ञानी, तकनीकी, चिकित्सा, सांस्कृतिक, बौद्धिक और धार्मिक आदि शामिल हैं। समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि, कताई- बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई। लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कैसे हुई। धर्म और धार्मिक व्यवहार अस्तित्व में कैसे आया। भाषा और साहित्य का विकास कैसे होता गया। सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आई। इतिहास मानव जाति के निरंतर विकास की कहानी है।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के प्राध्यापक प्रो. गंगा प्रसाद साह और प्रो. कुलानंद यादव ने कहा कि आमतौर पर मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर पांचवीं शताब्दी तक का समय प्राचीन इतिहास का माना गया है। चूंकि इतिहास पिछली घटनाओं का अध्ययन है। जिससे प्राचीन काल को समझा जा सकता है। मानव ने सबसे पहले अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण शुरू किया, जिस कारण से इतिहास की समझ विकसित हुई। यह मौखिक, पुरातात्विक साक्ष्य, लिखित रिकार्ड, कलाकृतियां यहां तक कि जैविक अवशेषों सहित अतीत के कहानियों पर आधारित है। वर्तमान को समझने और भविष्य की तैयारी के लिए इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। यह हमें पिछली गलतियां और सफलताओं से सीखने का अनुभव देता है। जिससे हमें बेहतर दुनिया बनाने में मदद मिलती है। हेरोडोटस(तुर्की) को इतिहास का जनक कहा जाता है। इतिहास का अध्ययन कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला को महाविद्यालय के प्राचार्य सह आइक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने संबोधित कर प्राचीन भारतीय इतिहास विषय के महत्व को बताया और छात्र छात्राओं को महाविद्यालय की विधि-व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराते हुए नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला को प्रो. विद्यानंद यादव, प्रो. विनोद कुमार विमल ने संबोधित कर छात्र- छात्राओं को नियमित आने के लिए प्रेरित किया।

दैनिक जागरण - 20-05-23

Principal
A.L.Y. College Triveniganj
(Supaul)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

जिला

एस्ट्रो गाइड

तिथि : प्रतिपद तिथि रात्रि 8.33 तक उपरांत द्वितीया तिथि
नक्षत्र : कृत्तिका नक्षत्र दिवा 7.35 तक उपरांत रोहिणी नक्षत्र
पक्ष : शुक्ल, मास-ज्येष्ठ, विक्रम संवत-2080, शक संवत-1945
बंगला : तारीख-5, दिन-शनिवार, मास-ज्येष्ठ, बंगाब्द-1430.
- डॉ एनके बेरा

प्रभात खबर
भागलपुर, शनिवार
20.05.2023 | 02

आज सूर्यास्त 06:31 बजे | कल सूर्योदय 05:03 बजे

prabhatkhabar.com

Principal
A.L.Y. College Triveniganj
(Supaul)
20.05.23

जानकारी. प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति विषय पर आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा

पिछली घटनाओं का अध्ययन है इतिहास

प्रतिनिधि, त्रिवेणीगंज

अनूप लाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज के तत्वावधान में शुक्रवार को प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के विभागाध्यक्ष प्रो सुरेंद्र प्रसाद यादव ने किया. कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया. कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था.

कार्यशाला में मौजूद महाविद्यालय कर्मी व छात्र-छात्राएं.

कार्यशाला में बताया गया कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है. दूसरे शब्दों में इतिहास समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन है जिसमें मानव समाज के सभी पहलुओं सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, चिकित्सा, सांस्कृतिक, बौद्धिक व धार्मिक आदि शामिल है. समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है. प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई. कृषि, कताई-बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई. लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया. जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कैसे हुआ. इतिहास मानव जाति के निरंतर विकास की कहानी है.

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के प्राध्यापक प्रो गंगा प्रसाद साह, प्रो कुलानंद यादव ने कहा कि आमतौर पर मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर पांचवीं शताब्दी तक का समय प्राचीन इतिहास का माना गया है. इतिहास पिछली घटनाओं का अध्ययन है.

कार्यशाला को महाविद्यालय के उप प्राचार्य सह आईक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार ने संबोधित कर प्राचीन भारतीय इतिहास विषय के महत्व के बारे में बताया और छात्र छात्राओं को महाविद्यालय की विधि-व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराते हुए नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया. कार्यशाला को प्रो बिद्यानंद यादव, प्रो विनोद कुमार विमल ने संबोधित कर छात्र- छात्राओं को नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया. कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो [illegible] कुमार, प्रो. सत्यनारायण यादव, प्रो [illegible] यादव एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण [illegible] कुमार, दिग्दर्शन उर्फ राजू, प्र[illegible] कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार तथा अन्य एवं प्राचीन भारतीय इतिहास विषय के छात्र-छात्राएं मो. सदाव आलम, आशीष कुमार, पवन कुमार, अभिलाष कुमार, पूनम कुमारी, स्नेहा शालू, नीतू कला कुमारी, रिया कुमारी, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, बिट्टू कुमार पासवान, मालेंद्र कुमार, नीरज कुमार, कृष्ण कुमार, विकास कुमार, आनंद कुमार, संजय कुमार राम, चंदन कुमार, कुंदन कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे.

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

COMMUNITY COLLEGE

Principal

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 • Tel./Fax: 06477-220940 • Website- www.alycollege.com • E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....   Date ....

दैनिक भास्कर

भागलपुर | शनिवार, 20 मई, 2023 | 18

कार्यक्रम • भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय पर कार्यशाला का आयोजन

इतिहास से ही पता चलता है देश में सभ्यता-संस्कृति कैसे हुई विकसित

भास्कर न्यूज|त्रिवेणीगंज

एएलवाई कॉलेज सभागार में शुक्रवार को प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने की। कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था। ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है। दूसरे शब्दों में इतिहास समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन है जिसमें मानव समाज के सभी पहलुओं सामाजिक,आर्थिक,वैज्ञ ानिक, तकनीकी,चिकित्सा, सांस्कृतिक, बौद्धिक और धार्मिक आदि शामिल है। समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है।प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि, कताई- बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई। लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कैसे हुआ। धर्म और धार्मिक व्यवहार अस्तित्व में कैसे आया। भाषा और साहित्य का विकास कैसे होता गया। सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आया।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्राध्यापक व उपस्थित अन्य।

इतिहास मानव जाति के निरंतर विकास की कहानी है। कार्यशाला को उप प्राचार्य सह आईक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार, प्रो. विद्यानंद यादव, प्रो. विनोद कुमार विमल ने भी संबोधित किया। मौके पर प्राध्यापक गण प्रो. अरुण कुमार, प्रो. सत्यनारायण यादव, प्रो. शंभू यादव एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण गगन कुमार, दिग्दर्शन उर्फ राजू, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार सहित छात्र-छात्राएं मो. सदाव आलम, आशीष कुमार, पवन कुमार, अभिलाष कुमार, पूनम कुमारी, स्नेहा शालू, नीतू कला कुमारी, रिया कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

Principal
A.L.Y. College Triveniganj
(Supaul)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Notice of the Event
2. M.O.M. of the Program
3. Original Attendance Record
4. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
5. Copy of Newspaper Release